तमिलनाडु शीर्ष निवेश गंतव्य राज्य

प्रीलिम्स के लिये:

शीर्ष निवेश गंतव्य राज्य, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

मेन्स के लिये

भारत में निवेश की स्थिति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 'प्रोजेक्ट्स टुडे' जो कि देश में निवेश परियोजनाओं पर नज़र रखने वाली एक स्वतंत्र फर्म है, के अनुसार तमिलनाडु इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में देश के शीर्ष निवेश गंतव्य राज्य के रूप में उभरा है।

प्रमुख बिंदु:

- प्रोजेक्ट्स टुडे के अनुसार तमिलनाडु की पहली तिमाही में देश में 97,859 करोड़ रुपए की कुल 1,241 परियोजनाओं को निष्पादित/संचालित करने में 18.63% की हिस्सेदारी है।
- वर्तमान में COVID-19 महामारी के कारण लॉकडाउन की अवधि के दौरान भारत में समग्र निवेश घोषणाएँ पिछले पाँच वर्षों में सबसे कम हो गई हैं।
- खास बात यह है कि इस तिमाही के हर माह में तमिलनाडु में निवेश का स्तर बढ़ा है।
  - अप्रैल में पूर्ण लॉकडाउन के पहले माह में, 1, 20,181.6 करोड़ की 260 नई परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।
  - मई में 22 37,922 करोड़ की 436 नई परियोजनाओं की ओर घोषणा की गई।

समझौतों पर हस्ताक्षर:

- तमिलनाडु सरकार द्वारा मई, 2020 में निवेशकों के साथ 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए थे, जिनमें अप्रैल से जून के मध्य तिमाही में निवेशकों द्वारा 18,236 करोड़ रुपए निवेश किया गया।
- चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सबसे बड़ी घोषित परियोजना 3,000 करोड़ रूपए की गैस आधारित बिजली परियोजना थी।
- पवन चक्की उपकरण और सेमीकंडक्टर चिप्स के उत्पादन के लिये राज्य में 2,900 करोड़ रुपए की दो निजी क्षेत्र की परियोजनाएँ संचालित हैं।

अन्य राज्यों की स्थिति:

- महाराष्ट्र 11,228.8 करोड़ के नए निवेश प्रस्ताव के साथ दूसरे स्थान पर है।
- महाराष्ट्र ने सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और यू.एस. की कई निवेशक फर्मों के साथ एक आभासी महाराष्ट्र शिखर सम्मेलन के माध्यम से 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये थे।
- तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने निवेशकों से मुलाकात की और एमओयू पर हस्ताक्षर किये
- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कर्नाटक ने श्रम कानूनों को फिर से लागू किया, है और विदेशी कंपनियों को अपने राज्यों में निवेश के लिये आमंत्रण भेजा है।

राज्य में नया निवेश:

- मई माह में प्रोजेक्ट्स टुडे द्वारा 39% प्रतिभागियों के साथ कराए गए सर्वे के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा सेक्टर में निवेश बढ़ाने की उम्मीद की गई है।
- अर्थव्यवस्था में 1.0 अनलॉक की घोषणा के साथ ही जून माह में नई परियोजनाओं की संख्या में और वृद्धि देखी गई है जिसके चलते जून माह में 39,755.43 करोड़ के कुल निवेश के साथ 545 और नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

आगे की राह:

भारत में ऑटोमोबाइल, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, पूंजीगत सामान, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, रसायन आदि क्षेत्रों में दुनिया का अनुबंध निर्माता होने की अपार संभावनाएँ हैं। इन क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में आवश्यक श्रम शक्ति भी शामिल है।

हालांकि, देश की धीमी गति से चलने वाली आधिकारिक मशीनरी, पुरातन भूमि और श्रम कानून कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो विदेशी कंपनियों को भारत में अपनी तकनीक और पूंजी निवेश करने से रोकती हैं ऐसे में आवश्यकता है कि केंद्र एवं राज्य सरकारों को अपने-अपने स्तर पर जल्द से जल्द इन मुद्दों को हल करने के लिये प्रयास करने चाहिये ।

स्रोत-द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tamilnadu-top-investment-destination-state